>

Title: Need to conduct a high level inquiry into the alleged irregularities and malpractices in the allocation of captive coal blocks in the country.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से कोयला मंत्रालय द्वारा कैप्टिव कोल के माध्यम से निजी कंपनियों को जो कोयले के ब्लॉकों का आवंटन किया गया है, उसमें भारी कोयले का भंडारण था। ऐसे कोयले वाले कोल ब्लॉक निजी कंपनियों को बिना मूल्य आवंटित किए गए हैं। इन आवंटित कोल ब्लॉकों के आवंटन में जो भारी धांधली और घोटाला हुआ है, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि इन ब्लॉकों को जिन निजी कंपनियों को बांटा गया है, उनमें ऐसी कोई कंपनी नहीं थी जिनका कोई अस्तित्व नहीं था। ऐसी कोई कम्पनियां नहीं थीं, जिन कम्पनियों का कोई अस्तित्व नहीं था। पेपर पर जिन कम्पनियों को दर्शाया गया, उन्हीं कम्पनियों को इन्होंने कोयले के ब्लॉक्स दिए। देश की जो कीमती खनिज सम्पदा थी, जो देश के 120 करोड़ लोगों की सम्पदा, 143 निजी कम्पनियों को जो कोल ब्लॉक बांटे गए हैं, उनमें से इस सरकार ने 2006 में 51, 2007 में 19 और 2008 में 41 तथा 2009 में 32 ब्लॉक्स बांटे हैं। इन ब्लॉक्स में करीब-करीब 43 ब्लॉक्स में 17 करोड़ मीट्रिक टन कोयले का भंडारण था।

सभापति महोदय, एक एक्सपर्ट कम्पनी, निजी कम्पनियों द्वारा इस कोयले की जो कीमत निकाली है, वह करीब-करीब 50 लाख करोड़ का कोयले का भंडार निजी कम्पनियों को फ्री ऑफ कास्ट बांटा गया है। हमारे देश की 120 करोड़ जनता की यह सम्पति बिना मूल्य बांटते समय, जिन कम्पनियों का अस्तित्व नहीं है, ऐसी कम्पनियों को दी गई हैं। मैं बार-बार इसकी शिकायत करता रहा हूं, हाउस में भी मैंने कई बार इस मामले को उठाया है कि जिन कम्पनियों ने ब्लॉक्स लिए हैं, ...(व्यवधान) वे इन्हें बेचने के लिए जा रहे हैं। ये अन्य कम्पनियों को बेच रहे हैं। इनमें से एक कम्पनी ऐसी है, जिसने पेपर में एड देकर इस ब्लॉक को बेचने का प्रयास किया। इसमें जो पेपर में नोटिस है, ग्रेस इंडस्ट्रियल लिमिटेड नाम की एक कम्पनी है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : You come to the point and tell what the Central Government has to do in regard to this.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर): सभापति महोदय, यह महत्वपूर्ण विषय है।...(व्यवधान) इस कम्पनी ने अपना ब्लॉक दूसरी कम्पनी को बेचा है, जिसे वे नियम के अनुसार बेच नहीं सकते हैं। इस कम्पनी का नाम ग्रेस इंडस्ट्रियल लिमिटेड है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: It is not necessary to mention the name.

श्री हंसराज गं. अहीर : इन्होंने एक कम्पनी को, जिस कोल ब्लॉक में 51 मिलियन का रिजर्व था, उस कोल ब्लॉक को इन्होंने उसे बेचा। उसे बेचने के बाद और किसी कम्पनी ने परचेस नहीं करते हुए एक नोटिस दिया। मैं बार-बार मंत्री महोदय को पत्र लिख रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: That is all right. You have drawn the attention of the Government. This is what you wanted to do. That is all. You cannot give a speech. You have to take two minutes and come to the point. Do not drag on the issue. This is 'Zero Hour'.

श्री हंसराज गं. अहीर : आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इन कम्पनियों ने जो भी ब्लॉक बांटे हैं, इनकी तुंत जांच होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की निगरानी में इसकी जांच होनी चाहिए। कम्पट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल के माध्यम से इसका ऑडिट होना चाहिए और जो बोगस कम्पनियां हैं, ऐसी कम्पनियों को जो ब्लॉक दिए गए हैं, ...(व्यवधान) वे कैंसिल करें।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Devji M. Patel, Shri Dilipkumar Mansukhlal Gandhi, Smt. Bhavana Patil Gawali, Shri Arjun Ram Meghwal and Shri Govind Prasad Mishra are associating themselves with the issue raised by Shri Ahir.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: That is all. Now, Shri Ratan Singh will speak.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN: You have already spoken.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing further will go on record. Shri Ratan Singh.

*(Interruptions) â€¦ **